



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 140]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 25, 2005/व्येष्ठ 4, 1927

No. 140]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 25, 2005/JYAISTHA 4, 1927

गृह मंत्रालय

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 25 मई, 2005

New Delhi, the 25th May, 2005

सं. 3/3/2005-पब्लिक.—भारत सरकार बड़े दुःख के साथ यह सूचित करती है कि केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री, श्री सुनील दत्त का 25 मई, 2005 को मुम्बई में निधन हो गया है।

No. 3/3/2005-Public.—The Government of India announces, with profound sorrow, the death of Shri Sunil Dutt, Union Minister for Youth Affairs & Sports on 25th May, 2005 at Mumbai.

वी. के. दुग्गल, गृह सचिव

V. K. DUGGAL, Home Secy.

अधिसूचना
नई दिल्ली, 25 मई, 2005

निधन सूचना

सं. 3/3/2005-पब्लिक.—केन्द्रीय युवा मामले एवं खेलकूद मंत्री, श्री सुनील दत्त का 25 मई, 2005 को मुम्बई में निधन हो गया है।

2. श्री सुनील दत्त का जन्म 6 जून, 1929 को गांव खुर्द, जिला झेलम, अब पाकिस्तान में, श्रीमती एवं श्री दीवान रघुनाथ दत्त के यहां हुआ था। श्री सुनील दत्त ने मुम्बई में शिक्षा ग्रहण की। श्री दत्त ने भारतीय सिनेमा में अपने उत्कृष्ट अभिनय के कारण विश्वव्यापी ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 1958 में स्वर्गीया श्रीमती नर्गिस दत्त से विवाह किया। उन्हें दो बार 'फिल्म फेअर बेस्ट एक्टर अवार्ड' से सम्मानित किया गया। 1981-82 में वे गुजरात के शेरिफ बने तथा 1984 में वे आठवीं लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए। वे नवीं, दसवीं, तेरहवीं तथा चौदहवीं लोक सभा के सदस्य रहे।

3. श्री सुनील दत्त की भारतीय मूल्यों के प्रति गहरी आस्था थी और हमारे संविधान में उल्लिखित सिद्धांतों के प्रति उनकी गहरी निष्ठा थी। वे एक सच्चे धर्म निरपेक्ष व्यक्ति थे और विभिन्न वर्गों के बीच मैत्री स्थापित करने के लिए अथक प्रयास करते रहे तथा संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों से हमेशा ऊपर रहे। गरीबों एवं दलितों के प्रति वे पूरी तरह समर्पित थे। वे बार-बार अभावग्रस्त और उपेक्षित लोगों, स्लम बस्तियों में रहने वालों और साम्प्रदायिक दंगों से पीड़ितों के हितों की रक्षा करने के लिए आवाज बुलंद करते रहे। उन्होंने कैसर की रोकथाम तथा एड्स के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए पर्याप्त जन-समर्थन जुटाया। उन्होंने 1962, 1965 तथा 1971 में उन सेक्टरों में जाकर भारतीय सेना के जवानों का मनोरंजन किया जहां भारतीय सेना के जवान युद्ध में घायल हुए थे। उन्होंने 1971 में भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी का मनोरंजन करने के लिए जाने-माने कलाकारों के एक सांस्कृतिक शिष्टमण्डल की अगुवाई भी की।

4. भारतीय राजनीति में श्री सुनील दत्त की मृत्यु से जो 'शून्य' पैदा हो गया है उसे भर पाना कठिन होगा। श्री दत्त देश के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

5. श्री सुनील दत्त अपने पीछे एक पुत्र और दो पुत्रियां छोड़ गए हैं।

वी. के. दुग्गल, गृह सचिव

NOTIFICATION
New Delhi, the 25th May, 2005

OBITUARY

No. 3/3/2005-Public.—Shri Sunil Dutt, Union Minister of Youth Affairs & Sports, passed away on 25th May, 2005 at Mumbai.

2. Born to Smt. and Shri Dewan Raghunath Dutt on 6th June, 1929 at Village Khurd, District Jhelum, now in Pakistan, Shri Sunil Dutt was educated in Mumbai. Shri Dutt achieved universal acclaim for his outstanding performance in Indian Cinema. He married late Smt. Nargis Dutt in 1958. He twice won the prestigious 'Filmfare Best Actor Award'. He was Sheriff of Mumbai in 1981-82 and was elected to the 8th Lok Sabha in 1984. He was a member of the 9th, 10th, 13th and 14th Lok Sabha.

3. Shri Sunil Dutt epitomized core Indian values and was a great exponent of the principles enshrined in our Constitution. He was a tireless champion of secular values and always rose above narrow political interests in his effort to secure amity between various groups. He had total commitment to the poor and the down-trodden. Time and again, he espoused the cause of the dispossessed, the marginalized and those living in slums and were victims of communal riots. He also lent his considerable public weight behind cancer prevention and the promotion of AIDS awareness. He entertained Indian Army Jawans in 1962, 1965 and 1971 by visiting various sectors where Indian Army Jawans were wounded in action. He also led a cultural delegation of eminent artists to Bangladesh in 1971 to entertain Indian Army and Mukti Vahini personnel.

4. The death of Shri Sunil Dutt has left a void which would be difficult to fill in the Indian polity. Shri Dutt will remain an inspiring memory to the nation.

5. Shri Sunil Dutt is survived by one son and two daughters.

V. K. DUGGAL, Home Secy.